ये अव्यक्त इशारे

ब्रह्मा बाप समान सम्पन्न और सम्पूर्ण स्थिति का अनुभव करो

16-11-2026

एक दो की बातों को स्वीकार करना और सत्कार देना, जब यह दोनों ही बातें आ जाती हैं तो फिर सम्पूर्णता और सफलता दोनों ही समीप आ जाती है क्योंकि एक दो को सत्कार देना ही भविष्य का अधिकार लेना है।

Experience the complete and perfect stage, the same as Father Brahma.

Accept and give respect to the ideas of one another. When you are able to do both of these things, perfection and success both come close, because to give regard to one another is to claim a right in the futur.

